ताल

प्रबन्ध

पंडित छोटेलाल मिश्र

Scanned by TapScanner

अनुक्रमणिका

		आमुख	vii
अध्याय-1	:	**तबला की उत्पत्ति के सम्बन्ध में प्रमुख मत** तबला वाद्य का विकास	1
अध्याय-2	:	**तबला का बाज एवं घराना** घरानों की परम्परा का संक्षिप्त विवरण	7
अध्याय-3	:	**पारिभाषिक शब्द** (ताल, मात्रा, सम, विभाग, ताली या भरी, खाली, लय)	24
अध्याय-4	:	**तबले के पारिभाषिक शब्द** बोल, ठेका, आवृत्ति या आवर्तन, किस्म, तिहाई (दमदार एवं बेदम), टुकड़ा, बाँट, रेला, रौ या लौ, लग्गी, लड़ी, कायदा, प्रस्तार, मुखड़ा या मोहरा, उठान, गत, दुपल्ली-गत, तिपल्ली-गत, चौपल्ली-गत, दर्जे की गत, फर्द, गत-कायदा, परन या परण, चक्रदार, साधारण चक्रदार फरमाइशी-चक्रदार, कमाली-चक्रदार, पेशकारा	29
अध्याय-5	:	**तबला मिलाने की विधि** ताल के प्रयोग में ध्वनि का महत्व, ताल वाद्य-वादकों के गुण-दोष, संगीतज्ञों के विभिन्न वर्ग, वाद्य-वर्गीकरण, ताल-रचना के सिद्धान्त, भारतीय अवनद्ध वाद्यों में तबले का स्थान, ताल का मनोवैज्ञानिक प्रभाव	55
अध्याय-6	:	**लयकारी लिखना** तालों के बोलों को विभिन्न लयकारियों में लिखना, विभिन्न तालों में विभिन्न तालों को लिखना	66
अध्याय-7	:	**तबले के प्रमुख पारिभाषिक शब्द बनारस घराने के संदर्भ में** (टुकड़ा, बाँट, रेला, रौ या लौ, लग्गी, लड़ी, कायदा, प्रस्तार, मुखड़ा या मोहरा, गत, फर्द, गत-कायदा, उठान)	76

Scanned by TapScanner

अध्याय-8 : ताल के दस प्राण 98
(काल, मार्ग, क्रिया, अंग, ग्रह, जाति, कला, लय, यति, प्रस्तार), संगीत में लय और ताल का प्रतिबन्ध (अनुशासन) एवं महत्व

अध्याय-9 : आचार्य भरत मुनि के नाट्यशास्त्र के आधार पर ताल पद्धति 108
देशी ताल, गीतक, गीतकों में ताल की प्रधानता, काकु, कुतप, वृन्द और कुतप, मात्रा प्रस्तार, गति एवं ध्वनि के पक्ष (अवनद्ध वाद्य के संदर्भ में)

अध्याय-10 : पाश्चात्य संगीत में मात्रा चिन्ह 129
पाश्चात्य संगीत में ताल, पाश्चात्य ताल-पद्धति तथा भारतीय ताल-पद्धति की तुलना, पाश्चात्य संगीत में लयकारी लिखने के चिन्ह, पाश्चात्य संगीत में विश्रान्ति (Rest), उत्तर भारतीय तालों को स्टाफ नोटेशन में लिखना

अध्याय-11 : कर्नाटक ताल पद्धति 137
दक्षिण भारतीय ताल, कर्नाटक ताल पद्धति व उत्तर भारतीय ताल-पद्धति की तुलना

अध्याय-12 : तबला संगति के नियम 144
तालों की सूची, ताल-लिपि पद्धति (भातखण्डे पद्धति व विष्णुदिगम्बर पद्धति)

अध्याय-13 : जीवनी 159
पण्डित रामसहाय जी, पण्डित भैरों सहाय, पण्डित भैरो प्रसाद, पं. अनोखेलाल मिश्र, पं. कण्ठे महाराज, पं. मौलवीराम मिश्र, पण्डित विक्कू महाराज, पं. गामा महाराज, पं. बीरू मिश्र, पं. सामता प्रसाद उर्फ गोदई महाराज, उस्ताद अहमदजान थिरकवा, उस्ताद हबीबुद्दीन खाँ, उस्ताद अल्लारक्खा खां।
पर्वत सिंह (पखावज वादक), अयोध्या प्रसाद (मृदंग-वादक), कुदऊ सिंह (पखावज-वादक), नाना पानसे (पखावज-वादक), पंडित पुरुषोत्तम दास (पखावज-वादक)

संदर्भ ग्रन्थ सूची 201

Scanned by TapScanner